

न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी बाड़मेर

पीठारीन अधिकारी प्रतिष्ठा पिलानिया आर ए एस
राजस्व अपील/223/रा.का.अधि./75/2019/बाड़मेर
अपीलांट

रेस्पोंडेंटगण

1. जालाराम पुत्र श्री प्रहलादरागजी बनाग 1.चेतनराम पुत्र श्री पूनगारागजी वगै.
अपीलांट का प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 96 सी.पी.सी वारते निर्णय
उपस्थित

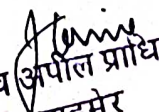
1. वकील श्री भूपेन्द्र गहलोत प्रार्थी आवेदक की ओर से
2. वकील श्री नरपतरिंह भाटी रेस्पोंडेंट संख्या 01 व 04 की ओर से
3. श्री हरिराम चौधरी राजकीय अग्निभाषक रेस्पोंडेंट संख्या 05 की ओर से।

निर्णय

दिनांक:-22.08.2022

अधिवक्ता अपीलांट द्वारा प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 96 सी पी सी पर बहस करते हुए उसने उसमें अंकित बिंदुओं को दोहराते हुए बताया कि अपीलांट का खेत खसरा नम्बर 401/165 फुलण की ग्रेनाईट की पहाड़ी के पास ही स्थित है। उक्त पहाड़ी पर रेस्पोंडेंटस ने हल्का पटवारी से मिलावट कर गलत तरमीम करा दी, व खसरा नम्बर 399/165 किस्म मगरा को पहाड़ी पर राजस्व अभिलेख में बता दिया व उक्त गलत तरमीम को पुख्ता करने हेतु अधीनस्थ न्यायालय में वाद संख्या 68/2015 पेश कर स्थायी निषेधाज्ञा भी गलत रूप से हासिल की, जिसमें अपीलांट पक्षकार नहीं है, मगर अपीलांट को खेत पाड़ौस में होने व वहां लीज आवंटन करने एवं खनन करने में अपीलांट का हित प्रभावित होगा। अपीलांट द्वारा उक्त गलत निर्णय व डिक्री के संबंध में भूमिधारक से अपील कराने हेतु जिलाधीश बाड़मेर संभागीय आयुक्त, जोधपुर व तहसीलदार समदड़ी से भी लिखित में निवेदन किया गया व तहसीलदार सगदड़ी अपीलाधीन आदेश में प्रतिवादी संख्या 01 है व उक्त निर्णय का प्रभाव जन हित व राष्ट्रीय सम्पदा पर सीधे तौर से प्रभावी हो रहा है व उक्त अवैध निर्णय की आड में हो रही अपूर्ण्य हानि व राज्य के राजस्व घाटा को उभारने हेतु उक्त अपीलांट द्वारा अपील पेश की जा रही है। अपीलार्थी उक्त आलौच्य निर्णय से व्यथित पक्षकार है तथा अपील प्रस्तुत करने का अधिकारी है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलांट को सनुवाई का अवसर नहीं दिया गया। अपीलांटस/प्रार्थी अपीलाधीन निर्णय से प्रभावित एवं पिड़ित पक्षकार है। इसलिए अपीलाधीन निर्णय के विरुद्ध अपील पेश करने का हितबद्ध व प्रभावी पक्षकार होने का अधिकारी है इसलिये अपीलांट को अपील पेश करने की अनुमति दी जानी न्यायोचित है। अतः अपीलांट का आवेदन स्वीकार फरमाया जावे।

अधिवक्ता रेस्पोंडेंट संख्या 01 व 04 ने प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 96 सी पी सी पर अपनी प्रारंभिक आपतियां करते हुए बहस में बताया कि अपीलांट का


राजस्व अपील प्राधिकारी
बाड़मेर

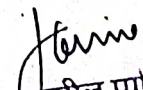
अपीलाधीन आराजी पर कब्जा काशत नहीं है। जालाराम दावे में पक्षकार नहीं तथा न. ही पड़ौसी है। अपीलाधीन निर्णय पक्षकारों के मध्य हुए राजीनामा के अनुसार पारित किया गया। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा हरतगत वाद में वाद विस्तृत विवेचन निर्णय पारित किया गया। अपीलांट का हरतगत प्रकरण से किसी प्रकार का कोई हित प्रभावित नहीं होता है। अपीलांट द्वारा अपील पेश कर रेस्पोंडेंट को तंग एवं परेशान करने की नियत से अपील पेश की जा रही है। हरतगत प्रकरण में अपीलांट हितबद्ध पक्षकार नहीं होने से अपीलांट द्वारा प्रस्तुत 96 सी पी सी का प्रार्थना-पत्र खारिज फरमाया जाकर अपील इसी स्टेज पर खारिज फरमाई जावे। रेस्पोंडेंटस अधिवक्ता ने अपने कथन के समर्थन में निम्नलिखित न्यायिक दृष्टांत पेश किये:-

RRD 1993 Page 44

RRD 1985 Page 584

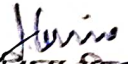
राजकीय अभिभाषक ने अन्तर्गत धारा 96 सी पी सी पर बहस करते हुए निवेदन किया कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा गैर मुमकिन पहाड़ पर स्थाई निषेधाज्ञा जारी की गई जबकि 188 में दावा पेश ही नहीं किया जा सकता। सरकार की विधिवत तामील होनी चाहिए थी जो नहीं करवाई गई। तत्कालीन पटवारी जो मूल निवासी सेड़वा का था ने अनुसूचित जाति के व्यक्ति के नाम भूमि का आवंटन करवाया तथा खरीद की गई कृषि योग्य पहाड़ से एक किलोमीटर दूर, उसे पहाड़ बनाने के लिए अधीनस्थ न्यायालय से तरमीम दुरुस्ती करवा ली। गैर मुमकिन पहाड़ की किस्म नहीं बदल सकते। किस्म परिवर्तन नहीं हुआ तो तरमीम दुरुस्ती कैसे हुई। हस्तगत अपील में तहसीलदार को हाजा न्यायालय में उपस्थित होने के लिए लिखा गया लेकिन उसके बावजूद उपस्थित नहीं हुए। अपीलाधीन निर्णय से सरकार हितों पर पर कुठाराघात हो रहा है। श्रीमान से निवेदन है कि सरकार के हितों को नुकसान पहुंचाने वाले राजस्व कर्मचारियों के विरुद्ध माननीय राजस्व मण्डल राजस्थान अजमेर को लिखा जावे। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित अपीलाधीन आलोच्य निर्णय विधि के प्रावधानों के विपरित जाकर पारित किया गया। अपीलांट का आवेदन स्वीकार कर अपीलाधीन निर्णय व डिक्री को अपास्त फरमाया जावे तथा तरमीम के खिलाफ पुनः जांच की जावे।

उभयपक्ष को प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र पर सुना गया। पत्रावली का गंभीरता पूर्वक अवलोकन किया। अपीलाधीन आराजी रेस्पोंडेंटस/वादी के कब्जा काशत की खातेदारी कृषि भूमि है। अपीलाधीन आराजी का अपीलांट खातेदार नहीं है। अपीलाधीन आराजी पर अपीलांट का कब्जा काशत हो ऐसा कोई दस्तावेजात पत्रावली पर उपलब्ध नहीं है। अपीलाधीन आराजी पर अपीलांटस का हित किसी

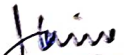

राजस्व अपील प्राधिकारी
बाइमेर

प्रकार से निहित है इस बाबत अपीलेंट द्वारा कोई साक्ष्य प्रस्तुत पेश नहीं किया गया। अपीलेंटस अधीनस्थ न्यायालय में पेश मूल दावे में पक्षकार भी नहीं है। इससे यह साफ स्पष्ट हो रहा है कि अपीलेंटस वादग्रस्त भूमि का न तो खालीदार रूप में हक दर्शाता है और न ही इसका कोई सीधा संबंध ही प्रकट करता है। अधीनस्थ आराजी पर अपीलेंट का कोई प्रत्यक्ष हित निहित नहीं है, न ही वह विहित या प्रभावित पक्षकार ही है। उपरोक्त विवेचन एवं तथ्यों एवं पत्रावली पर उपरोक्त तथ्यों के आधार पर अपीलेंटस वादग्रस्त आराजी का हितयुक्त, प्रभावित एवं विहित पक्षकार नहीं ठहरते हैं। अतः अपीलेंट का आवेदन अंतर्गत धारा 96 सी पी सी सार्वजनिक होने से खारिज योग्य ठहरता है।

लिहाजा उराको अपील प्रस्तुति की अनुमति नहीं दी जा सकती। अपीलेंट द्वारा प्रस्तुत आवेदन अंतर्गत धारा 96 सी पी सी खारिज किया जाता है।


(प्रतिष्ठा-प्रियंत्रियां)
राजस्व अपील प्राधिकारी
वाडमेर

यह आदेश आज दिनांक 22.08.2022 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


राजस्व अपील प्राधिकारी
वाडमेर